भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †3458
सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

जनजातीय पर्यटन सर्किट का विकास

†3458. **एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार प्रमुख जनजातीय स्थलों को शामिल करते हुए एक ''जनजातीय पर्यटन सर्किट'' विकसित करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हाँ, तो परियोजना की समय-सीमा सहित चिह्नित स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या जनजातीय समुदाय द्वारा संचालित होमस्टे और जनजातीय युवाओं द्वारा गाइडेड पर्यटन को इसमें शामिल किया जाएगा;

(घ) इसके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रचार के लिए निवेशों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन पर्यटन स्थलों पर स्वदेश कार्यक्रम और स्वच्छता सुविधाओं को किस प्रकार एकीकृत किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ): विभिन्न पर्यटक स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से देश भर के पर्यटन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना विकास और सुविधाओं को बढ़ाने के प्रयासों को संपूरित करता है। इसमें ऐसे जनजातीय क्षेत्र भी शामिल हैं, जहाँ जनजातीय समुदायों का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व है, ताकि राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अनुभवों को बढ़ाया जा सके।

उक्त वित्तीय सहायता निधियों की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों और समय-समय पर जारी अन्य अनुदेशों के अनुपालन, संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक अपनी पहल के तहत पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

वर्ष 2014-15 में शुरू की गई एसडी योजना के तहत, विकास के लिए विषयगत परिपथों को चिह्नित किया गया था। इनमें जनजातीय परिपथ एक प्रमुख विषय था, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, शिल्प और विरासत को प्रदर्शित करना था।

जनजातीय परिपथ में एसडी योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जेयूजीए) के तहत 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' (स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना) हेतु राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्ताव तैयार करने के लिए टेम्पलेट सहित दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इस पहल का उद्देश्य ज़िम्मेदारीयुक्त पर्यटन को प्रोत्साहित करने और जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को विकसित करना है। उक्त दिशानिर्देश होमस्टे मालिकों के तकनीकी कौशल विकास और प्रशिक्षण पर भी केंद्रित हैं। इस पहल में ग्रामीण समुदाय की ज़रूरतों के लिए 5 लाख रु., प्रत्येक परिवार के लिए दो नए कमरों के निर्माण हेतु 5 लाख रु. और प्रत्येक परिवार के लिए मौजूदा कमरों के नवीनीकरण हेतु 3 लाख रु. तक की सहायता द्वारा 1000 होमस्टे का विकास करना शामिल है। अभी तक इस योजना के तहत कोई निधियाँ जारी नहीं की गई है।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयासों के तहत जनजातीय पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विभिन्न पहलों के माध्यम से संवर्धन करता है, जिसमें प्रचार कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट, सोशल मीडिया आदि से जुड़ी पहलें शामिल हैं।

****

अनुबंध

एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी द्वारा जनजातीय पर्यटन सर्किट के विकास के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †3458 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

जनजातीय परिपथ में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि करोड़ रुपये में)**
1.	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ 2015-16	जशपुर-कुनकुरी-मैनपट-कमलेशपुर-महेशपुर-कुरदर-सरोधादादर-गंगरेल-कोंडागांव-नथियानवागांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीरथगढ़ का विकास	96.10
2.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015-16	जनजातीय परिपथ पेरेन-कोहिमा-वोखा का विकास	97.36
3.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016-17	मोकोकचुंग-तुएनसांग-सोम का विकास	98.14
4.	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ 2016-17	मुलुगु-लकनावरम- मेदवरम- तडवई-दमरावी- मल्लुर- बोगाथा झरने का विकास	79.87

नोट: उपरोक्त सभी परियोजनाएं के भौतिक रूप से पूरा होने की सूचना दी गई है।

*****